RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 42 अंक 2 हल्द्वानी सम्वत् 2083 सोमवार 15 जून 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

केदार सिंह रावत से बातचीज

जलद का शीत पड़ाव तेजम

बाबू राम सिंह पांगती की सुपुत्री तुलसी देवी का विवाह श्रीराम सिंह रावत से हुआ था

मामा लक्ष्मण सिंह पांगती का दिशा-निर्देशन हमेशा अपने समाज के लिये रहा है

एयरइंडिया में रहते राजीव गांधी, प्रतिभा पाटिल, मनमोहन सिंह जैसी हस्तियों के साथ यात्राओं का अवसर मिला वहीं कॉमलवेल्थ गेम्स में जिम्मेदारी

कार्यालय प्रतिनिधि

जोहार के 'खड़कू गीता' के बारे में पिघलता हिमालय ने अपने पुराने अंक में जानकारी दी थी। इसी परिवार के श्रीमान केदार सिंह रावत एयरइण्डिया में रहते हुए दुनिया के आलौकिक नजारों को महसूस करने वालों में से हैं। एकदम सीधा सच्चा जीवन जीने में विश्वास करने वाले रावत जी से बातचीज करने से पहले इनके बारे में जानते हैं- मिलम के तिब्बत व्यापारी खड़क सिंह रावत गीता, रामायण का रुचिपूर्ण पाठ करने के अलावा वैद्यगिरी में माहिर थे, जिस कारण 'खड़कू गीता' या 'गीता' नाम से उन्हें पहचान मिल गई। आयुर्वेद के जानकार होने के कारण यह इलाज भी कर देते। व्यापारी होने के नाते दिल्ली में भी इनका सम्पर्क था, जिससे यह दवाई की खुराक मंगवा लिया करते थे। वैद्यगिरी में स्थानीय जड़ी-बूटी का प्रयोग करते। धर्मपरायण होने के कारण इन्होंने अपने पुत्रों के नाम- देवराम सिंह, हरीराम सिंह, दयाराम सिंह, श्रीराम सिंह रखा। आज भी तेजम में इनके कुनबे की पहचान 'गीता' या 'खड़कू गीता' का परिवार के रूप में है। इन चार भाईयों में श्रीराम सिंह रावत के सुपुत्र हुए- डॉ. जी.एस. रावत (देहरादून) और के.एस. रावत हल्द्वानी।

जोहार-मुन्स्यार के जलद में रहने वाले रावत परिवारों को शीत कालीन पड़ाव तेजम हुआ करता था, जिस कारण यह तेजम में भी बस गये। जलद में ही केदार सिंह का जन्म 1955 में हुआ। बचपन बीतने के बाद बीएससी करने के लिये यह अल्मोड़ा आ गये, इसी कक्षा का पार्ट-2 करने के लिये नैनीताल का चयन किया क्योंकि उस समय इनके भाई भीमताल में थे। इसके बाद इन्होंने आगे एमए करने की तैयारी की लेकिन इनके मामा श्री लक्ष्मण सिंह पांगती ने लखनऊ से एक विज्ञापन की सूचना इन्हें भेज दी, जो एयरइण्डिया की थी। रावत जी दिल्ली चले गये और चयन, ट्रेनिंग के बाद 1978 में एयरइण्डिया में लग गये। बात लक्ष्मण सिंह पांगती की करें तो लखनऊ में रहते हुए श्री पांगती जी का दिशा-निर्देश हमेशा अपने समाज के लिये रहा है। जोहार की लोक संस्कृति और इतिहास पर लिखने वाले और समाज सुधारक बाबू राम सिंह की

शेष पृष्ठ 2 पर

'लोक कथाएं' स्तम्भ में श्री उदय राम टम्टा द्वारा संकलित पहाड़ की लोककथाओं को प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रस्तुत है 'दो घेंघे' लोक कथा -सम्पादक

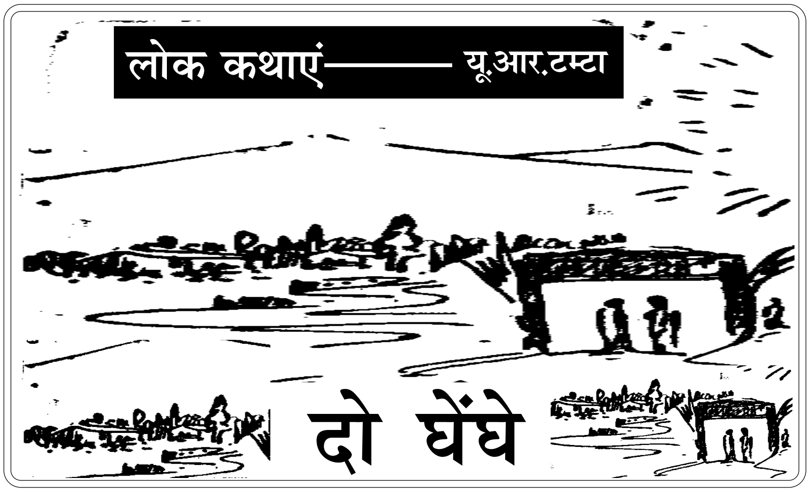

रामगंगा की घाटी में एक गाँव है तरमाल। उस गाँव के अधिकांश लो घेंघा रोग (गलमण्ड) से ग्रसित थे। गाँव के किनारे पर रामगंगा बहती थी। नदी के रास्ते में एक मजबूत चट्टान पड़ने के कारण चट्टान से पहले की भूमि में एक ओर कुहनी के आकार का एक ताल बन गया है। यह बहुत चौड़ा और गहरा है। अत: इसका पानी एकदम काला नजर आता है और डरवना लगता है। इस ताल को कुचरौ का ताल कहते हैं। नदी किनारे शव जलाये जाते हैं। जब उन्हें नदी में प्रवाहित किया जाता है, वह कुचरौ के ताल में, इसकी बनावट के कारण, एक आध दिन अवश्य रुके रहते हैं। इसके अलावा दुर्घटनावश कोई नदी में डूब कर मर जाता है तो उसकी लाश कुचरौ में अवश्य मिल जाती है। अत: यहाँ पर लाशों के रुकने के कारण लोग अकेले-दुकेले, दिन के समय भी, आने पर डरते हैं। डर मुख्यत: भूत-प्रेत अथवा मृत आत्माओं का रहता है।

तरमाल के गाँव में किसी जमाने में भोनू नाम का एक आदमी रहता था। उसके गले में एक ओर एक बहुत बड़ा घेंघा था, इतना बड़ा कि उसकी गर्दन एक ओर को झुक गई थी, नजर भी जमीन पर नहीं पड़ती थी। वह जीवन से बहुत निराश था। कोई भी काम करने में असमर्थ था। वह लोगों की दया पर निर्भर रहता था। अपने ही गाँव में नहीं, वह दूसरे गाँवों में जाकर लोगों से भोजन मांग कर खाता था। इस क्रम में वह दूर के गाँवों तक भी निकल जाता था। एक दिन वह दूसरे गाँव से अपने गाँव लौट रहा था, तो उसे रास्ते में ही रात हो गयी। रास्ता नदी के किनारे-किनारे था और बीच में कुचरी का ताल पड़ता था, जहाँ से अकेले गुजरने की उसे कभी दिन में भी हिम्मत नहीं पड़ती थी। पर अब चारा भी क्या था? करीब में कोई बस्ती भी नहीं पड़ती थी। जंगली जानवरों का डर भी कम नहीं था। उसे बाघ, चीता या भूतप्रेत में किसी एक का खतरा मोल लेना ही था, क्योंकि बाघ की दहाड़ रह-रह कर उसके कानों में पड़ रही थी। काफी सोच विचार के बाद उसने निश्चय किया कि प्रेतात्माएँ होती भी हैं या नहीं। उसने तो कभी देखा नहीं है। बाघ्र चीते तो होते ही हैं। अत: उसने कुचरौ के रास्ते आगे बढ़ने का निश्चय किया। थोड़ी देर के लिये दार्शनिक भावों का एक दौर भी उसके अन्दर से गुजरा। उसने सोचा कि जीवन में कोई सुख तो है नहीं। मौत आ भी जाय तो इसमें बुराई कहाँ है? बेकार की जिन्दगी ढोने से तो मरना ही बेहतर है। जानवरों के हाथों मरना पीड़ादायक होता है। प्रेतात्माएँ तो बिना कोई पीड़ा पहुँचाए ही प्राण ले लेंगी। यह सोच कर वह आगे बढ़ा। रात्रि के तीसरे पहर वह कुचरौ के पास पहुँचा। अभी कुछ दूर ही था कि तरह-तरह के पकवानों की हृदयग्राही व रुचिकर सुगन्ध का एक झोंका उसके नथुनों से गुजरा, उसे आश्चर्य हुआ कि इस निर्जन स्थान पर तरह-तरह के व्यंजनों की यह सुगन्ध कहाँ से आ रही है? गाँव में बहुत गरीब लोग रहते हैं, उनमें से किसी के घर इतना अच्छा भोजन कभी नहीं बनता, जिसकी सुगन्ध इतनी दूर तक जा सके।

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

ऐसा ब्लॉगर भी क्या बनना जो अपना ही तमाशा कर दे

सोशल मीडिया की चाट बहुत मसालेदार होती है और जिसको इसकी आदत हो जाए वह छूटना कठिन है। इसी में ब्लॉगर बनने का जुनून भी एक है। लेकिन सोशल मीडिया के ऐसे मसाले का क्या फायदा जो आपनो नुकसान पहुंचाए। ऐसा ब्लॉगर भी क्या बनना जो अपना ही तमाशा कर दे।

हाल ही में अपने पारिवारिक विवाद के कारण सुर्खियों में आई हल्द्वानी की ब्लॉगर दीक्षा पाण्डे ने इस बार घर बैठे मुसीबल ले ली। उसने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के द्वारा फौजियों की पत्नियों के लिये कह दिया, जिसके बाद वह बुरी तरह से निशाने पर रही। उसने फिर एक वीडियो बनाकर सुसाइड की धमकी दी। पुलिस ने उसे काउंसिलिंग के लिए कालाढूंगी कोतवाली बुलाया और उसने वहां जहर गटक लिया। दीक्षा को उपचार के लिये सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। दीक्षा की बड़ी बहन ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि दीक्षा मानसिक रूप से परेशान थी, पुलिस ने उसे कोतवाली बुलाया और उस पर ब्लॉगर और विरोध कर रहे एक संस्था के पदाधिकारियों से माफी मांगने का दबाव बनाया। जिसके बाद परेशान होकर वह कोतवाली के वाशरूम में जहर खा लिया।

इस पूरी घटना के बाद यह साफ समझ आ रहा है कि ब्लॉगर के रूप में कुछ करने की छटपटाहट युवाओं में है लेकिन जाने-अनजाने वह ऐसा क्यों करने लगे हैं कि अपने लिये ही आफत बन जाए? असल में अति की चाहत आजकल के युवाओं को बहुत उतावला कर चुकी है और अपनी बात को हर सूरत मनवाने की जिद में वह यह भी भूल जाते हैं कि उनके द्वारा किये जा रहे कार्य या बोले जा रहे शब्दों का क्या प्रभाव हो रहा है। इसके अलावा सोशल मीडिया की हवाबाजी में दिख रही भीड़ को सच्चाई मानने वाले समाज की सच्चाईयों से दूर हैं। साथ ही एकदम खोखले इसमें अपना रोजगार तलाश रहे हैं। इस प्रकार के चक्रव्यूह का अन्त कतई सुखदायी नहीं है। इसलिये सोशल मीडिया के गुणों को समझें न कि इसकी छटपटाहट को।

फसक

दाज्यू, चुनाव से पहले हकाहाक होने वाली ठैरी

निगरानी के लिये छुटभैये रेंगते रहते हैं बल

दाज्यू, विश्व मौसम संगठन (डब्लूएमओ) अपनी रिपोर्ट में कह रहा है- अगले पांच वर्षों में ग्लोबल वार्मिंग के सभी पुराने रिकॉर्ड टूट जाएंगे। अगले साल अल नीनो का प्रभाव दिखेगा बल। दाज्यू, मौसम का नीनो तो अब दिखेगा, हमारी विधानसभा का मौसम तो बस पूछो मत....। जनता चाहे कितनी हकाहाक करती रहे, अन्त में जलजीरे का असर करता ही है। चुनाव से पहले हकाहाक होने वाली ठैरी। अब जैसे-जैसे 2027 नजदीक आ रहा है, एकादशी, पूर्णिमा, अमावस्या सब घूमते दिखाई दे रहे हैं। तीज-त्यौहार के अलावा शिष्टाचार भेंट ने कमर ही तोड़ डाली है। निगरानी के लिये छुटभैये रेंगते रहते हैं बल। अपना बिल्लू हर दिन शाम को बूथ मजबूत करने की बात करने लगा है। जुवा छात्र नेता बब्बू भी गले में गमछा डालकर गली में घूम रहा है। कह रहा था- 'अपनी पार्टी खड़ी करनी है। देश को मजबूत करना है।' दाज्यू, पता नहीं अब क्या जो होने वाला है।

रामनगर के दूरस्थ क्षेत्र अमोठा-पाटकोट में बन्द पड़े पानी के टैंक से मानव कंकाल बरामद हुआ। पता नहीं कितने दिनों से अस्थी-पंजर मिला पानी सप्लाई हो रहा था। जो नहीं देखा वही अच्छा ठैरा। दाज्यू, चलता पानी तो साफ माना जाता है, अब वह बात अलग है नहर-गूल में मल-मूत्र करने वाले इसको भी समाजसेवा मान लेते हैं। रुद्रपुर में भाजपा एससी मोर्चा के महामंत्री रह चुके विकास सागर फिर से ओवरलोड डम्परों से अवैध वसूली के आरोपों से घिर चुके हैं। दाज्यू, तराई में पहले से गदरगोल मची हुई है। विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री, पार्टी संगठन के नेता सभी मायावी ताकतों जैसे लग रहे हैं। पता नहीं आने वाले विधानसभा चुनाव तक कितना तापमान पहुंचेगा। एक-दूसरे की धो-पोछकर बयान जारी हो रहे हैं। नेता लबलू तराई एकता जिन्दाबाद का नारा बुलन्द कर चुका है।

दाज्यू, सड़क किनारे बने पैरापिटों पर प्रचार प्रसार के लिये पोते जाने पर जिला पंचायत अध्यक्ष चम्पावत और मुख्य अधिकारी को नोटिस दिया गया है। दाज्यू, प्रचार के लिये पोता-पाती का काम बहुत हो चुका। अब तो धांसू वाले बैनरों का जमाना ठैरा। सबका अपना ही नशा है। हल्द्वानी के एक नशा मुक्ति केन्द्र में स्टाफ की आंखों में मिर्च का घोल फेंककर आठ लोग फरार हो गये, जिन्हें बाद में पुलिस ने पकड़ा। दाज्यू, नशेड़ी घोषित कर भर्ती होने वाले भी बहुत कुछ सोचते होंगे। ये नशा ही तो एक ऐसी चीज है जो दुनिया में सबकुछ करवा रहा है। हकाहाक-धताधात सबके पीछे कोई तो नशा जरूर होने वाला हुआ। -तुम्हारा भुली झकरुवा

'नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन' की धूम मची

प्रेम सिंह फोनिया

चमोली। सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नीति घाटी में 'नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन' की धूम मची। पर्यटन विभाग द्वारा भारतीय सेना एवं आईटीबीपी के सहयोग से आयोजित इस अनूठे आयोजन में देश के 27 राज्यों से आए 1200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। तीन दिवसीय आयोजन का उद्देश्य सीमान्त क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देना, स्थानीय संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दिलाना तथा युवाओं में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कबीना मंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री भरत सिंह चौधरी ने फ्लैग ऑफ कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सीमान्त क्षेत्रों के समग्र विकास और पर्यटन संवर्धन के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। कहा सीएम धामी के नेतृत्व में पीएम मोदी की 'फिट इण्डिया' मुहिम को सीमान्त क्षेत्रों तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बना है। सीमान्त गांवों में पर्यटन गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और द्वितीय रक्षा पंक्ति के गांव और अधिक मजबूत होंगे।

जिला पर्यटन अधिकारी अरविन्द गौड़ ने बताया कि नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन का आयोजन के पहले दिन रिमखिम-नीती-मलारी 75 किलोमीटर अल्ट्रा रन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 117 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वहीं मलारी-नीति-मलारी 42 किमी अल्ट्रा रन में 118 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इसके बाद 5, 10 एवं 21 किमी की हॉफ मैराथन स्पर्धाओं में भी उत्साहित प्रतिभागियों ने हिस्सेदारी की। साथ ही गमसाली से मलारी के बीच 30 किमी एमटीबी चैलेंज प्रतियोगिता भी की गई। ग्राम में विभाग द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहा।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

फेफड़ों के कैंसर के लिए टीका

हवाना। क्यूबा और अर्जेन्टीना के वैज्ञानिकों ने फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए 'वैक्सीरा' नाम का एक ऐसा टीका तैयार किया है, जो पश्चिमी देशों के महंगे इलाज के मुकाबले कहीं ज्यादा प्रभावी और बेहद सस्ता है। यह टीका शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को फेफड़ों के एडवांस नॉन-स्मॉल सेल कैंसर कोशिकाओं की पहचान करना और उन पर हमला करना सिखाता है।

बालेन्द्र शाह का विवादित बयान

काठमाण्डू। पहली बार संसद पहुंचे नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने एक विवादित बयान देते हुए कहा कि जैसे भारत ने नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण किया है, वैसे ही नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की जमीन पर अतिक्रमण किया है।

मलेशिया में बच्चों के सो.मी. पर रोक

कुआलालंपुर। मलेशिया ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट रखने पर रोक लगाने वाले नियमों को लागू कर दिया है। इसके साथ ही मलेशिया सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने वाले बच्चों के लिए ऑनलाइन सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के वैश्विक प्रयास में शामिल हो गया है।

न्यूयॉर्क फिल्म महोत्सव में बूंग का जलबा

न्यूयॉर्क। बाफ्टा पुरस्कार विजगता मणिपुरी फिल्म 'बूंग' ने न्यूयॉर्क फिल्म महोत्सव में तीन पुरस्कार अपने नाम किए हैं। इसमें मुख्य भूमिका निभाने वाले युवा कलाकार को सर्वश्रेष्ठ बाल अभिनेता का सम्मान दिया गया।

न्यूयॉर्क सीनेट में अहम प्रस्ताव

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क की सीनेट ने राज्य की गवर्नर कैथी होचुल में 15 अगस्त 2026 को राज्य में 'भारत स्वतंत्रता दिवस' घोषित करने का आग्रह करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें सांसदों ने महात्मा गांधी की विरासत को याद किया और अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के योगदान की सराहना की।

ताइवान दौरे से सांसदों पर प्रतिबन्ध

वेलिंगटन। बीजिंग ने न्यूजीलैंड के चार सांसदों पर एक साल के लिए चीन यात्रा पर प्रतिबन्ध लगा दिया है और उनसे माफी मांगने को कहा है क्योंकि उन्होंने एक संसदीय यात्रा के दौरान ताइवान का दौरा किया था। चीन दूतावास ने न्यूजीलैंड के अधिकारियों को यह सूचना दी है।

जलद का शीत.......

प्रथम पृष्ठ का शेष

सुपुत्री तुलसी देवी का विवाह श्रीराम सिंह रावत से हुआ था (केदार सिंह जी माता)। इनके सुपुत्र लक्ष्मण सिंह ने भी जोहार के इतिहास और संस्कृति को सहेजने का काम किया है। साथ ही युवाओं को आगे बढ़ाने में प्रोत्साहित भी किया।

हाँ, तो बात तेजम और रावत जी की हो रही थी। एयरइण्डिया में नौकरी भले ही के.एस.रावत जी करने लगे थे लेकिन इनके मन-मस्तिष्क में अपना बचपन अपना पहाड़ कौंधता रहता। हवाई यात्राओं में दुनिया के आलौकिक नजारे बहुत देखे लेकिन अपनी जड़ों को कैसे भूल सकते थे। दिल्ली में सारी सुख-सुविधाओं के बीच भी इनका जुड़ाव अपने पहाड़ से बना रहा है। इनकी पत्नी श्रीमती कुसुमलता रावत दिल्ली में ही न्यू इण्डिया इंश्योरेंश कम्पनी में थीं। जो हल्द्वानी में इसी कम्पनी की डिप्टी मैनेजर के पद से 2021 में सेवानिवृत्त हो चुकी हैं। इससे पूर्व श्री रावत जी 2013 में एयरइण्डिया से मैनेजर पद से सेवानिवृत्त हो चुके थे लेकिन एक हादसा उन्हें परेशान करने वाला रहा वह 2011में हुआ जब वह पैदल घूमने निकले थे किसी मोटरसाइकिल वाले ने टक्कर मारी जो उनके पैर को बुरी तरह घायल कर गई। ऐसे में चाह कर भी लम्बी यात्राओं से बचाव करना होता है। इनके सुपुत्र विजेन्द्र सिंह और सुपुत्री रुचि दिल्ली में ही कार्यरत हैं जबकि रावत दम्पत्ति हल्द्वानी के छड़ायल नयाबाद क्षेत्र में निवास कर रहे हैं।

श्री रावत को एयरइण्डिया में सेवा के दौरान खासे अवसर मिले जब वह देश के शीर्षतम लोगों की फ्लाइट जानी होती थी। सन् 1981 में पहली बार जब प्रधानमंत्री राजीव गांधी चायना गये, तब रावत जी को साथ जाने का मौका मिला। इसी प्रकार राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल के साथ साउथ अमेरिका, ब्राजील, मैक्सिको, प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ जर्मनी दौरे किया। 2010 के कामनवेल्थ गेम्स के लिये मिली बड़ी जिम्मेदारी इन्होंने निभाई जब आस्ट्रेलिया के करीब दस छोटे-छोटे देशों के खिलाड़ियों को एकत्रित कर गेम्स के लिये दिल्ली जाया गया। इन प्रकार की जिम्मेदारियों को बेहतरीन तरीके से निभाना और अपनी जड़ों के साथ जुड़े रहने वाले रावत जी आज भी युवाओं के लिये प्रेरणा हैं कि यदि इच्छा हो तो किसी भी जगह पर आप अपनी खूबियों को दिखा सकते हो।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

आस्था

आदि कैलास का ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

पौराणिक हिन्दू ग्रन्थों के अनुसार आदि कैलास पंच कैलाशों में से एक माना गया है। आदि कैलास को भगवान शिव का घर कहा जाता है। पुराणों के अनुसार पाँच कैलासों में से एक है आदि कैलास, जो उत्तराखण्ड के पिथौरागढ़ से सटी भारत-चीन सीमा पर स्थित है। आदि कैलाश और ओम पर्वत दोनों ही व्यास घाटी का हिस्सा है। आदि कैलास यात्रा सिर्फ धार्मिक यात्रा नहीं है। इस दौरान रास्ते में गुंजी, कुटी, नाबी जैसे सुन्दर गाँव पड़ते हैं जहाँ आप होम स्टे ले सकते हैं और यात्रा के बीच प्रकृति के मनोरम दृश्य देखने को मिलते हैं इसीलिए इसकी यात्रा का महत्व काफी होता है।

बता दें कि साल 2023 में प्रधानमंत्री ने भी आदि कैलास और ओम पर्वत के दर्शन किए थे। पीएम मोदी के दर्शन करने के बाद देशभर से लोगों में यात्रा को लेकर काफी उत्साह दिखाई दे रहा है। पूरी दुनिया में भारत की पहचान एक धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल के तौर होती है। यहाँ के हर राज्य में दर्जनों तीर्थ स्थान हैं, जहाँ हर साल लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। उन्हें तीर्थ स्थानों में से एक है, आदि कैलास यात्रा या ओम पर्वत की यात्रा। हिन्दू पुराणों में आदि कैलास को भगवान शिव, माता पार्वती, गणेश जी और कार्तिकेय जी का निवास स्थान बताया गया है, जिसके चलते हर साल हजारों श्रद्धालु आदि कैलास की यात्रा करने जाते हैं।

आदि कैलास और ओम पर्वत दर्शन यात्रा के लिए क्षमता से अधिक यात्रियों के पहुँचने से आवास व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। यात्रियों को जगह नहीं मिल पाने के कारण खुले आसमान के नीचे रात बितानी पड़ी। गुंजी वासी बता रहे हैं कि क्षेत्र में यात्रियों का दबाव तेजी से बढ़ रहा है। हर रोज 300 से 400 वाहन यात्रियों को लेकर क्षेत्र में पहुँच रहे हैं। वाहन नहीं मिलने से कई यात्रियों को धारचूला में भी इन्तजार करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अभी आवासीय व्यवस्था सीमित है। क्षेत्र में होटल नहीं हैं। केएमवीएन के आवास गृहों के अलावा ग्रामीणों ने होम स्टे की व्यवस्था की है, इनमें 500 से 600 यात्रियों के रूकने की ही क्षमता है। आदि कैलास यात्रा के बीच वाहनों का दबाव बढ़ने से नगर में जाम की समस्या परेशानी का सबब बनती जा रही है। पार्किंग न होने से यात्रियों और पर्यटकों को वाहन खड़ा करने के लिए जगह नहीं मिल रही है जिससे वे परेशान हैं। सड़कों के किनारे वाहन पार्क होने से नगर में आए दिन जाम लग रहा है। मांग है कि यात्रियों को मार्ग में अलग-अलग पड़ावों में रुकने की व्यवस्था की जाये साथ ही क्षेत्र में आवासीय सुविधाओं का विस्तार भी किया जाये।

असल में यह यात्रा शान्ति और रोमांच की तलाश करने वालों के बीच भी विख्यात है। 19,500 फीट की ऊँचाई पर स्थित, हीरे के आकार का यह पर्वत तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र की दूरस्थ हिमालयी पर्वत श्रृंखलाओं में बसा है और दुनिया की सबसे आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण चोटियों में से एक है। इसे पृथ्वी का केन्द्र, अक्ष मुंडी माना जाता है और यह स्वर्ग की सीढ़ी तथा अनेक देवी-देवताओं का निवास स्थान है। हिन्दू परम्परा के अनुसार कैलास पर्वत सर्वोच्च भगवान शिव और देवी पार्वती का निवास स्थान है। जैन धर्म में इसे अष्टपद के नाम से जाना जाता है और जैन धर्म की जन्मभूमि के रूप में पूजा जाता है, जहाँ प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ ने ज्ञान प्राप्त किया था।

इस समय कैलास यात्रा सीजन जोरों पर चल रहा है। देशभर से प्रतिदिन कई यात्री आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शनों के लिए धारचूला तहसील के उच्च हिमालयी इलाकों की ओर रवाना हो रहे हैं। सरकारी वाहन उपलब्ध होने के बावजूद परिवहन निगम आदि कैलास के लिए बस सेवा शुरू नहीं कर पा रहा है। मानो समूचा भारत यहाँ की फिजाओं में रच बस गया हो। अब तो पर्यटन तथा तीर्थाटन को और अधिक सुदृढ़ करने की जरूरत है। इस पर ही उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था का भविष्य टिक गया है।

जोहार क्लब

71वां खेलोत्सव और फुटबॉल का जुनून

मुनस्यारी। जोहार क्लब मुनस्यारी का 71वें खेलोत्सव की धूम मची हुई है और हर बार की तरह इसमें फुटबॉल टूर्नामेंट का जुनून देखने को मिला। ग्रीष्मकालीन खेल के इस आयोजन की लम्बी परम्परा में इस बार भी खेल मैदान में खिलाड़ियों और दर्शकों का कौतूहल बना हुआ है। खेलोत्सव में बालीबाल, हाकी सहित अन्य खेल भी सम्मिलित हैं।

खेलोत्सव का शुभारम्भ विधायक हरीश धामी और विविष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख डॉ.कविता महर ने किया। विधायक ने खेलोत्सव के संचालन के लिए विधायक निधि से दो लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने ब्लाक प्रमुख से मुख्यमंत्री सीमान्त क्षेत्र विकास योजना के तहत खेल मैदान और इंडोर गेम्स की सुविधाओं को बेहतर करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने का आग्रह किया।

जोहार क्लब के अध्यक्ष केदार सिंह मर्तोलिया ने अतिथियों का स्वागत करने के साथ ही खेल प्रतिभाओं के लिये इस आयोजन को बड़ा मंच बताया। इस अवसर पर क्लब के सचिव गौरव पांगती, कोषाध्यक्ष रवि वृजवाल, मल्ला जोहार विकास समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तु, नन्दा धर्मशक्तु, कांग्रेस जिला अध्यक्ष मनोहर टोलिया, जोहार सांस्कृतिक वेलफेयर सोसाइटी पिथौरागढ़ के अध्यक्ष भूपाल सिंह बुर्फाल, जोहर मिलन केन्द्र हल्द्वानी के अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह धर्मशक्तु, सीनियर सिटीजन परिषद सदस्य गोकर्ण सिंह मर्तोलिया, दान सिंह बगरी आदि उपस्थित थे। संचालन लक्ष्मण सिंह पांगती ने किया।

टूर्नामेंट के दूसरे दिन अण्डर-14 वालिका वर्ग फुटबाल मैच में सर्वोदय पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मारथोमा पब्लिक स्कूल को 7-0 से पराजित किया। निर्णायक की भूमिका में सौरभ पंचपाल, नीतिश पांगती, ईश्वर भाकुनी रहे। तीसरे दिन मैच में सर्वोदय पब्लिक स्कूल और मुनस्यारी पब्लिक स्कूल के बीच खेले गए मैच में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई और मैच ड्रा हो गया। अगले मैच में जीआईसी मुनस्यारी ने विवेकानन्द विद्या मन्दिर को 5-0 गोल से पराजित किया। मैच ऑफिशियल कैलाश सिंह लस्पाल रहे।

टूर्नामेंट के तीसरे दिन बालिका वर्ग का पहल मुकाबला सर्वोदय पब्लिक स्कूल और विवेकानन्द विद्या मन्दिर के बीच खेला गया। सर्वोदय ने विवेकानन्द विद्या मन्दिर को 1-0 से हराया। दूसरा मैच जीआईसी और मुनस्यारी पब्लिक स्कूल के बीच हुआ। जीआईसी की टीम 3-0 से विजेता रही। तीसरा मुकाबला मुनस्यारी गर्ल्स और जीआईसी के बीच खेला गया। 2-0 से मुनस्यारी गर्ल्स विजेता बनी। अन्य खेलों का रोमांच भी जारी है।

हलचल स्थानान्तरण की

प्राचार्य से लेकर स्टाफ तक उधेड़बुन में

देहरादून। उच्चशिक्षा उत्तराखण्ड में स्थानान्तरणों सहित अन्य तरह की चर्चाओं की बाजार हमेशा गर्म रहता है। इन दिनों भी स्थानान्तरण को लेकर उधेड़बुन सुनी जा रही है। सुगम-दुर्गम का जिन्न नाचता दिख रहा है जबकि कतिपय प्राचार्य मनचाही जगह के लिये प्रार्थना कर रहे हैं। उन लोगों की चर्चा भी है जो उम्मीद लगाए बैठे हैं कि इस बार उनका नाम प्राचार्य बनने की सूची में आ जायेगा। इसी प्रकार कार्यालय स्टाफ में पदोन्नति के साथ इधर-उधर होने की बातें हो रही हैं। बताते चलें कि सचिव रहे रंजीत सिन्हा के कार्यकाल के समय काफी अजीबोगरीब हालत हो चुके थे। जारी होने वाले फरमानों के अलावा जिस प्रकार से सचिव का दौरा और निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया जा रहा था, साथ ही हिदायतें दी जा रही थीं, शिक्षक उनको लेकर ही चर्चा करते रहे कि उच्चशिक्षा में कैसा जैसा होने लगा है।

ज्योतिष की बातें

15 जून 2026 को सूर्य समग्रह बुध की राशि मिथुन में प्रवेश करेगा जहाँ पर कोई शुभाशुभ दृष्टि भी नहीं होगी। अत: सूर्य सामान्य फल प्रदान करेगा। अगले एक माह सूर्य स्वास्थ्य, सम्मान, सफलता आदि अपने कारक विषयों में मेष, मकर, कन्या व सिंह राशि के जातकों को शुभफल प्रदान करेगा। अन्य जातकों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

20 जून 2026 को मंगल अपनी स्वराशि से निकलकर समराशि वृषभ में प्रवेश करेगा, जहाँ पर शनि की पाप दृष्टि होगी अत: मंगल अभी निर्बल रहेगा। मंगल साहस, पराक्रम, भवन, वाहन आदि अपने कारक विषयों में अगले 44 दिन मीन, धनु व कर्क राशि के जातकों को अल्पमात्र में शुभफल प्रदान करेगा अन्य राशि वालों को अभी धैर्य रखना चाहिए।

21 जून 2026 रविवार को सूर्य सायनमान से कर्क राशि में प्रवेश करेगा अत: वर्षा ऋतु का प्रारम्भ हो जाएगा। जो लोग वर्षभर त्रिफला चूर्ण का सेवन करते हैं उन्हें इस वर्षा ऋतु में त्रिफला चूर्ण में थोड़ा सेंधा नमक मिलाकर सेवन करना चाहिए।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

आपके पत्र

भारत-चीन सीमा सड़क चौड़ीकरण

सेवा में,
श्रीमान नितिन गडकरी जी
माननीय केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री
भारत सरकार नई दिल्ली

विषय- भारत से चायना वार्डर एनएच309बी के चौड़ीकरण के सम्बन्ध में

माननीय मंत्री जी सीमा सुरक्षा के मध्यनजर सन् 1962 में इस मोटर मार्ग की महत्ता को ध्यान में रखकर निर्माण कार्य किया गया था। सन 1964 में इस मोटर मार्ग के चौड़ीकरण हेतु सड़क के दोनो ओर की भूमि जो चौड़ीकरण करनी है इस भूमि को भारत सरकार ने वित्तीय व्यवस्था करके दोनो ओर पीलर, कीलपाये बनाये गये थे जो आज भी मौजूद है। इस मोटर मार्ग के सन्दर्भ में माननीय स्वयं बच्ची सिंह रावत केन्द्रीय राज्यमंत्री तथा क्षेत्रीय माननीय सांसद जी की अहम भूमिका से इस मोटर मार्ग का नेशनल हाईवे में चयन किया था। इस मोटर मार्ग एनएच309बी पर हल्द्वानी से अल्मोड़ा तक चौडीकरण हो चुका और इसका घाट से पिथौरागढ़ धारचूला तक भी चौडीकरण हो चुका है अब खेद का विषय यह है कि इस मोटर मार्ग का अल्मोड़ा से घाट वाया दन्या का चौड़ीकरण का कार्य अभी तक अधूरा है इसका मूल कारण वर्तमान सांसद अजय टम्टा की उदासीनता है जिससे इस मोटर मार्ग में जब बरसात व दैविक आपदा व अतिविष्टी में सारे वाहन इसी मार्ग से चलते है जो कभी बन्द नहीं होता है पर चौड़ीकरण न होने के कारण छोटे से कस्बे दन्या में जाम से जनता व हमारी सेना के वाहनों को घंटों जाम का सामना करना पड़ता है।

अत: अविलम्ब अतिशीघ्र देश की सुरक्षा व जन सुरक्षा की गम्भीर समस्या को देखते हुए, इस राष्ट्रीय राजमार्ग का छूटे हुए हिस्से का चौड़ीकरण करने की कृपा कीजिएगा तभी यह राष्ट्र हित और जनहित में कार्य कहा जायेगा

-चन्द्र लाल वर्मा
वरिष्ठ बीजेपी कार्यकर्ता
भारतीय जनसंघ जागेश्वर

छात्र संघ चुनाव को लेकर अभी से कमर कसने लगे हैं

नैनीताल। इन दिनों महाविद्यालयों की परीक्षा निपटने को हैं और विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम तैयार करने में जुटे हैं लेकिन छात्र संघ को लेकर छात्र नेताओं की छटपटाहट इस बार ज्यादा ही दिखाई दे रही है। 2027 विधानसभा चुनाव से पहले छात्र राजनीति के बहाने अवसर तलाशने वालों के लिये यह मौका ही है। यही कारण है कि जगह-जगह बेवजह कालेजों के चक्कर लगाने वाले छात्र नेता दिखाई दे रहे हैं। छात्र-छात्राओं को मदद के बहाने अपनी सक्रियता बनाते ऐसे नेता जुलाई में नवीन प्रवेश प्रक्रिया से पहले ही पूरी तरह अपना माहौल बना लेना चाहते हैं। माना जा रहा है कि चुनावी मौसम को देखते हुए बाहरी तत्व भी इस बार ज्यादा हस्तक्षेप छात्रों के चुनाव में कर सकते हैं। इसके लिये कालेज प्रशासन व स्थानीय प्रशासन के लिये बड़ी चुनौती होगी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

ओलावृष्टि से बागवानी को भारी नुकसान

भीमताल। भारी ओलावृष्टि से रामगढ़ विकासखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में फल एवं सब्जी उत्पादकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। नुकसान का आकलन करने के लिये मुख्य उद्यान अधिकारी नैनीताल प्रेमा राणा ने प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर किसानों से जानकारी ली और कहा कि शासन के निर्धारित मानकों के अनुसार मुआवजा दिलाने की कार्रवाई की जाएगी।

स्थायी कुलसचिव की नियुक्ति हो

नैनीताल। उत्तराखण्ड विवि कर्मचारी महासंघ ने कुमाऊं विश्वविद्यालय में कुल सचिव पद पर स्थायी कुलसचिव की नियुक्ति की मांग की है। महासंघ के संरक्षक भूपाल सिंह करायल और अध्यक्ष डॉ.लक्ष्मण सिंह रौतेला ने बताया कि लगभग दो वर्ष पूर्व दून विवि से स्थानान्तरित होकर आए डॉ.मंगल सिंह मंद्रवाल ने कार्यभार संभाला और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया था, जिसे शासन ने अस्वीकार कर दिया। मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है और डॉ.मंद्रवाल अवकास में हैं। ऐसे में प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

गन्ना सर्वेक्षण का कार्य 30 जून तक

काशीपुर। पेराई सत्र 2026-27 की तैयारियों एवं गन्ना सर्वेक्षण कार्यों की समीक्षा के लिये गूगल मीट के माध्यम से प्रदेशभर में संचालित गन्ना सर्वेक्षण कार्य की विस्तृत समीक्षा की गई। गन्ना एवं चीनी आयुक्त उत्तराखण्ड टी.एस.मर्तोलिया की अध्यक्षता में हुई बैठक में कहा गया है कि गन्ना सर्वेक्षण का कार्य 30 जून तक पूरा कर लिया जाए।

मेसर वन कौतिक सम्पन्न

मुनस्यारी। सरमोली-जैंती वन पंचायत में आयोजित 19वें मेसर वन कौतिक का सामुदायिक एकजुटता, पर्यावरण संरक्षण और लोक संस्कृति के संगम के साथ समापन हुआ। दो दशक पूर्व ग्रामीणों के श्रमदान से पुनर्जीवित किए गए मेसर कुण्ड की स्मृति में प्रतिवर्ष होने वाले आयोजन का उद्घाटन विधायक हरीश धामी ने किया। इस मौके पर पर्यावरण प्रेमी हिरमा सुमत्याल, ईशा शाह, सुरेन्द्र पंवार को सम्मानित किया गया।

काशीपुर बाईपास चौड़ीकरण होगा

रुद्रपुर। शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में बहुप्रतीक्षित काशीपुर बाईपास मार्ग के चौड़ीकरण का रास्ता साफ हो चुका है। नगर निगम रुद्रपुर ने चौड़ीकरण के लिये अधिग्रहित भूमि को लोनिवि को हस्तान्तरित करने के लिये अपनी अनापत्ति दे दी है। असल में काशीपुर बाईपास मार्ग का चौड़ीकरण लम्बे समय से प्रस्तावित था। सबसे व्यस्त इस मार्ग पर भारी दबाव रहता है।

परिक्रमा

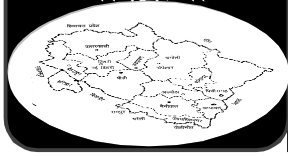

फचैऽक

आ्ब नीटक पर्च हैगो लीक, बिरूजगार भौत परीशान है गई
सरकारकि बिबस्ता ठीक न्हां, पढ़ि लेखि बेर डाड़मान है रई
पढ़ि लेखि बेर डाड़मान है रई, कथकै जानी के धा्न करनी
ल्या्ख लगून छाड़ि सरकार कूनै, ककरौंच छन आफी मरनी
ठुल प्रौफीसर भै शामिल जना्र, एनटीए दगड़ि पुटपा्ट ठीक
खिसियान है रई लाखों नानतिन, आ्ब नीटक पर्च हैगो लीक।

गणेश पाण्डेय

टेंडर, अब बड़े नालों की सफाई होगी

हल्द्वानी। बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर निगम की ओर से शहर के प्रमुख नालों की सफाई की। विशेष अभियान चलाया जा रहा है। निगम हर वर्ष शहर के 16 बड़े नालों की सफाई कराता है जिसके लिये टेंडर प्रक्रिया पूरी कर बजट खर्च किया जाता है। इस बार इस प्रक्रिया में देरी हुई होने से दो सप्ताह बाद यह कार्य हो रहा है और समय से कार्य करना बड़ी चुनौती है।

सामान्यत: 15 जून के बाद मानसून सीजन शुरू हो जाता है। बारिश के दौरान नालों के ओवरफ्लो होने से शहर के कई इलाकों में जलभराव की समस्या पैदा हो जाती है। नालों की समय और सही तरीके से सफाई नहीं होने पर उनमें कूड़ा कचरा जमा रहता है।

मोहान दवा फैक्ट्री निजीकरण का विरोध

रामनगर। आईएमपीसीएल मोहान फैक्ट्री के निजीकरण को निरस्त करने की मांग को लेकर राज्य आन्दोलनकारियों ने एसडीएम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के प्रशासनिक नियन्त्रण में संचालित उपक्रम आईएमपीसीएल मोहान, अल्मोड़ा स्थित देश की एकमात्र आयुर्वेदिक एवं यूनानी दवा निर्माण करने वाली फैक्ट्री है, जिसे निजी हाथों में सौंपे जाने का निर्णय गलत है। राज्य आन्दोलन कारियों ने सरकार के इस निर्णय पर कड़ा विरोध जताया है। मंच के संयोजक चन्द्रशेखर जोशी के नेतृत्व में एकत्र हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आईएमपीसीएल मोहान सरकार को मुनाफा देने के साथ-साथ हजारों लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रही है। प्रदर्शनकारियों में प्रभात ध्यानी, अनिल अग्रवाल, निशान्त पपैन आदि थे।

मेडिकल कैम्प लगाकर सराहनीय कार्य

मुनस्यारी। जोहार मुनस्यारी डाक्टर संगठन हल्द्वानी द्वारा अपनी इस बार भी सीमान्त में मेडिकल कैम्प लगाकर सराहनीय कार्य किया। संगठन ने हर वर्ग के लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ ही नि:शुल्क दवा वितरण किया।

बताते चलें कि डाक्टर्स एसोसिएशन द्वारा प्रतिवर्ष अलग-अलग स्थानों पर इस प्रकार के शिविर लगाकर ग्रामीणों का हाल जाना जाता है। इस बार भी घरेलू उपचार से लेकर मौसमी बुखार आदि बीमारियों को जांचने के अलावा अन्य बीमारियों से जूझ रहे लोगों को सलाह दी और भरोसा दिलाया कि संगठन द्वारा जितना सम्भव होगा सहयोग किया जायेगा।

डाक्टर्स एसोसिएशन द्वारा किये जा रहे सराहनीय कार्य के लिये मल्ला जोहार विकास संगठन के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने सराहा और अनुरोध किया कि उच्च हिमालय क्षेत्र निवास करने वाले जो लोग माइग्रेशन में जाते हैं उन लोगों को भी स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में कार्य हों।

चुनाव से पहले ‘माननीय’ बनाये गये

हल्द्वानी। प्रदेश सरकार ने विधानसभा चुनाव 2027 को देखते हुए एक्शन लिया है। इसमें 14 नए चेहरों को ‘माननीय’ बनाया गया है। इन दर्जनभर कार्यकर्ताओं को विभिन्न समितियों में दायित्व सौंपे गए हैं।

शासन के जारी निर्देशानुसार मंत्रि परिषद अनुभाग के संयुक्त सचिव आलोक सिंह ने आदेश जारी कर हरीश चन्द्र पाण्डे को सिंचाई सलाहकार समिति में उपाध्यक्ष, चम्पावत से रोहित बिष्ट, बागेश्वर से दयाल सिंह ऐठानी, हल्द्वानी से सुरेश तिवारी, गदरपुर से पुष्कर कोश्यारी को कुमाऊं मण्डल विकास निगम का गैर सरकारी निदेशक नियुक्त किया। हल्द्वानी से वरिष्ठ राज्य आन्दोलनकारी हुकुम सिंह कुंवर को राज्य आन्दोलनकारी परिषद का अध्यक्ष बनाया है। चकराता के रणवीर सिंह, देहरादून के मोहित शर्मा को गढ़वाल मण्डल विकास निगम में निदेशक बनाया गया है।

रुद्रपुर से पूर्व मेयर रामपाल को बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति का उपाध्यक्ष, सुभाष बगोली को उत्तराखण्ड पर्यटन विकास बोर्ड का सलाहकार, खटीमा से मोनी पोखरिया को राज्य स्तरीय सतर्कता समिति का उपाध्यक्ष, हरिद्वार से नितिन गौतम को स्वास्थ्य सलाहकार परिषद का उपाध्यक्ष, रामनगर के देवेन्द्र ढैला को बागवानी परिषद का उपाध्यक्ष और आचार्य सन्तोष खण्डूरी को जनसंख्या विश्लेषण समिति का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इन दिनों प्रदेश में नवनियुक्त इन माननीयों के स्वागत और इनके द्वारा सीएम का आभार सम्बन्धी कार्यक्रमों का जोर दिखाई दे रहा है।

त्रिवेन्द्र को नई शिक्षा नीति पर पुस्तक भेंट

देहरादून। पर्यावरण दिवस पर जगह-जगह हुए आयोजनों के क्रम में सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने दून विश्वविद्यालय परिसर में पौधा रोण कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर पर्यावरण संकाय के डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला द्वारा सांसद को नई शिक्षा नीति, रसायन विज्ञान पर लिखी पुस्तक भेंट की गई। प्रो. विपिन चन्द्र जोशी दून विवि के डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला की पुस्तक को जिन्होंने नई शिक्षा नीति पर, रसायन विज्ञान पर लिखी किताबों के द्वारा लेखक के प्रयास को सराहनीय बताया। कहा प्रत्येक विवि व महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा इनका अध्ययन किया जाना चाहिए। डॉ. अन्डोला को नई शिक्षा नीति पर, रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने इसके लिये प्रेरणास्रोत प्रो. एमएसएम रावत, और निवर्तमान सलाहकार प्रो. के. डी. पुरोहित से मिली प्रेरणा का परिणाम बताया। इस अवसर पर उच्चशिक्षा, विवि से जुड़े लोगों के अलावा आमंत्रित अतिथि थे।

बोना में हुआ ‘गेल पातल’ का आयोजन

मदकोट। जोहार सांस्कृतिक वेलफेयर सोसाइटी द्वारा प्रतिवर्ष होने वाले ‘गेल पातल’ आयोजन के क्रम में इस बार सुदूर ग्राम बोना में यह हुआ। इस अवसर पर सघन वृक्षारोपण के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम और बच्चों की प्रतियोगिताएं हुईं। चिकित्सा शिविर का लाभ भी ग्रामीण क्षेत्र को मिला। असल में सोसाइटी द्वारा अपनी संस्कृति को जागृत रखने के उद्देश्य हर हर बार किसी एक स्थान का चयन कर आयोजन किया जाता है। इससे तमाम स्थानों से लोग आकर आपस में मिलते हैं और विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन भी धूमधाम से होता है।

नदी-नाले न बचे तो नहीं बचेगी सुन्दरता

नैनीताल। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी)के सदस्य न्यायमूर्ति डॉ. अफरोज अहमद ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि नदी नाले, प्राकृतिक जलधाराओं और नौलों को बचाना पहाड़ों के अस्तित्व और उनकी प्राकृतिक सुन्दरता के लिये अनिवार्य है। नदी नाले न बचे तो पहाड़ की सुन्दरता भी नहीं बचेगी।

रानीखेत में महिला रामलीला प्रतियोगिता

रानीखेत। महिला रामलीला प्रतियोगिता की धूम के बाद चिलियानौला नगर पालिका परिषद सभागार में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला कलाकारों को सम्मानित किया गया। पालिकाध्यक्ष अरुण रावत ने कलाकारों के अभिनय को सराहते हुए कहा कि सार्वजनिक आयोजनों में सक्रिय भागीदारी कर क्षेत्र की महिलाओं ने चिलियानौला का गौरव बढ़ाया है।

पौड़ी में बैराज, डीडीहाट में झील

देहरादून। पौड़ी के यमकेश्वर में रवासन नदी पर बैराज और डीडीहाट के देवस्थल में महेश्वर झील को सरकार ने मंजूरी दे दी है। दोनों योजनाओं को सिंचाई के लिहाज से अहम माना जा रहा है। बीते वर्ष सीएम धामी ने यमकेश्वर विधानसभा के दयाकोटल में रवासन नदी पर बैराज बनाने की घोषणा की थी। डीडीहाट में झील के भूगर्भीय सर्वेक्षण के साथ डिजायन के लिये सिंचाई विभाग को 7.94 लाख रुपये का बजट जारी कर दिया गया है।

पॉलीटेक्निक छात्रों का प्रदर्शन

लोहाघाट। लोहाघाट पॉलीटेक्निक के छात्रों ने पेयजल के लिये प्रदर्शन किया। उन्होंने सोलर हैण्डपम्प खराब होने की बात करते हुए शीघ्र ठीक कराने को कहा। यह लम्बे समय से खराब है जिससे 150 विद्यार्थियों के साथ ही परिसर में रहने वाले 26 परिवारों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

डीडीहाट में अवैध मकान ढहाए

डीडीहाट। नगर पालिका क्षेत्र में अवैध कब्जों पर कार्रवाई करते हुए दूनाकोट मार्ग में अवैध रूप से बन रहे दो मकानों को प्रशासन ने जेसीबी से ढहा दिया। एसडीएम ने चेतावनी दी है कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अनासक्ति आश्रम में हरित योग शिविर

बागेश्वर। विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी डॉ. निष्ठा शर्मा कोहली के निर्देशानुसार स्वास्थ्य संवर्धन, रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि तथा निरोगी जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कौसानी अनासक्ति आश्रम में हरित योग शिविर का आयोजन हुआ।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

जन भावनाओं को भांपने के लिये दूत बने हैं नेता

भाजपा की ओर से नितिन नवीन और कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी ने भरा जोश

2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिये पार्टी नेता जन भावनाओं को भांपने के लिये दूत बन चुके हैं। पार्टी चाहती है वह उसे प्रत्याशी बनाए जिस पर जनता मोहर लगाने में चूक न करे। भाजपा की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी का उत्तराखण्ड दौरा पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भर गया है। कहने को दोनों पार्टी के बयानबाज नेता एक-दूसरे पर छींटे मार रहे हैं लेकिन यही सच है कि चाहे नितिन नवीन हों या राहुल गांधी दोनों ने अपनी पार्टी की मजबूती के लिये दौरा किया और अनावश्यक नहीं बोले। जबकि इनकी आड़ में बयानवीर सोशल मीडिया पर निरर्थक बातें लिखते हुए अपने को चर्चा में रखना चाहते हैं। इसके अलावा लगातार सोशल मीडिया पर अपनी बात करने वाली चर्चित महिला नेता भी कुछ न कुछ कहती रही हैं। चुनाव में अभी समय है और फाइनल टिकट तक बहुत कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा।

उत्तराखण्ड प्रवास पर पहुँचे भाजपा नेता नितिन नवीन ने पार्टी की तैयारियों को परखा और कहा कि जनता एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं के दम पर भाजपा उत्तराखण्ड में हैट्रिक लगाएगी। सीएम पुष्कर सिंह धामी सहित प्रदेश के सभी बड़े नेताओं ने उनसे मुलाकात की और प्रदेश कोर कमेटी, मंत्री समूह की बैठक में मार्गदर्शन दिया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी जनों से उन सीटों को भी साधने की रणनीति बताई जहाँ पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा जीत नहीं सकी थी या फिर जीत का अन्तर काफी कम रहा था। उन्होंने बूथों का सशक्त करने पर जोर दिया।

-भाजपा-कांग्रेस की ये घमासान उत्तराख मतदाताओं के लिये असल परीक्षा है क्यों जिस प्रकार से आम जनता छटपटा रही है वह देश को सन्देश दे सकती है कि किस तरह का माहौल सकून दे सकता है

-अपने बयान से सबके निशाने पर हैं दुष् गौतम। अंकिता हत्याकाण्ड के दिनों से ही बेहद चर्चा में रहे भाजपा के प्रदेश प्रभारी दुष्यन्त को उनकी पार्टी के नेता भी असह महसूस कर रहे हैं

-मौसम मिजाज के कारण राहुल गांधी को प ही रुकना पड़ा और वह अल्मोड़ा सभा व सम्बोधित नहीं कर सके लेकिन ऑनलाइन सन्देश में उन्होंने अपनी बात रखी। उनके दौरे के बहाने पार्टी दिग्गज एकजुट हुए हैं

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आगमन पर पार्टी के नेताओं ने अपनी तरह से बयानबाजी की। वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने कहा है भाजपा के लिये राहुल गांधी का उत्तराखण्ड दौरा शुभ रहा है। देवभूमि की जनता लगातार सेना और सनातन का अपमान करने वाले को कभी बर्दाश्त नहीं करती। जबकि कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी शैलजा ने कहा कि उत्तराखण्ड की जनता बदलाव चाहती है। इसके अलावा अपने बयानों और कार्यों से चर्चा में रहने वाले भाजपा प्रदेश प्रभारी दुष्यन्त गौतम ने असंयमित होकर बयान दे डाला जिससे सभी ने उनको कोसा। कहा अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड में जिनका नाम उछल रहा हो वह कुछ भी बोलते जा रहे हैं। फिलहाल उनकी पार्टी के नेता भी असहज महसूस कर रहे हैं।

देसरी ओर कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी का दौरा उनकी पार्टी में जोश भर चुका है। मौसम खराबी के कारण उन्हें पन्तनगर ही रुकना पड़ा और मोबाइल द्वारा उन्होंने अल्मोड़ा की विशाल जनसभा को सम्बोधित किया। राहुल गांधी ने कहा- मौसम के आगे वह मजबूर हैं लेकिन फिर से आएंगे। खैर, उनके उत्तराखण्ड आगमन से पार्टी के सभी दिग्गज अल्मोड़ा में जुटे और एक मौहाल पार्टी के लिये बना है। प्रदेश में लगातार हार के बाद जिन हालातों से कांग्रेस घिरी है, उसमें बहुत बदलाव इस बार दिखाई दे रहा है।

भाजपा-कांग्रेस की ये घमासान उत्तराखण्ड के मतदाताओं के लिये असल परीक्षा है क्योंकि जिस प्रकार से आम जनता छटपटा रही है वह देश को सन्देश दे सकती है कि किस तरह का माहौल सकून दे सकता है। जनता 2027 के चुनाव में किस पार्टी को चाहेगी, वह समय बताएगा। जनता की बेचैनी को देखते हुए ही पार्टी के बड़े नेताओं ने देवभूमि में डेरा डालना शुरू कर दिया है। सबके अपने दावे हैं और पूरे चुनाव को अपनी ओर मोड़ने के लिये की जा रही कसरत को जनता अभी कितना समझ पा रही है और अन्ततः उसका फैसला क्या होगा यह भविष्य के गर्भ में है। इतना तो तय है उत्तराखण्ड का जो भी फैसला होगा वह देशभर के लिये बड़ी बात होगी।

उपपा के द्विवार्षिक केन्द्रीय अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का गठन

रामनगर। उत्तराखण्ड परिवर्तन पार्टी के द्विवार्षिक केन्द्रीय अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें प्रभात ध्यानी को पार्टी का केन्द्रीय अध्यक्ष तथा नरेश नौडियाल को प्रधान महासचिव चुना गया। अधिवेशन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने पार्टी की पिछले दो वर्षों की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके बाद पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी के गठन की प्रकिया पूरी की गई। चुनाव अधिकारी चारु तिवारी एवं पर्यवेक्षक डॉ.मोहन काण्डपाल की देखरेख में सम्पन्न चुनाव के बाद नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रभात ध्यानी ने केन्द्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की। केन्द्रीय उपाध्यक्ष पद पर कुलदीप मधवाल (देहरादून), नारायण राम (अल्मोड़ा) और जे.पी.बडौनी (हरिद्वार), महासचिव पद पद दिनेश उपाध्याय (नैनीताल), आनन्दी वर्मा (अल्मोड़ा) और अमीनुर रहमान (हल्द्वानी), सचिव पद पर प्रकाश जोशी (द्वाराहाट), किरन आर्य (सोमेश्वर), भोपाल सिंह रावत (कोटद्वार), लालमणि (रामनगर), बी.डी. असनोड़ा (गैरसैंण) का मनोनयन किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठक हरिद्वार में आयोजित की जायेगी।

दो घेंघे............

प्रथम पृष्ठ का शेष

उसने हमेशा गरीब अमीर सभी घरों में भोजन किया था। उसकी घ्राण शक्ति हर तरह के भोजन की सुगन्ध पहचानती थी। उसने सोचा कि हो न हो आज कुचरौ पर कोई तान्त्रिक तथा कुछ रईस लोग कोई तान्त्रिक क्रिया के लिये आये होंगे, और तरह-तरह के व्यंजन उन्हीं के लिये बन रहे होंगे। वह कुछ आगे बढ़ा तो भोजन की सुगन्ध के साथ अगरबत्तियों की सुगन्ध भी उसे महसूस हुई। तब तक वह उस टीले पर पहुँच गया जिसके ठीक नीचे लगभग सौ गज की दूरी पर कुचरौ का ताल है। एक नजर डालने पर उसने देखा कि ताल के किनारे मैदान में उत्सव सा मनाया जा रहा है। उसने उत्तरायणी पर रामेश्वर में लगने वाला मेला देखा था, जहाँ नाच-गाने तथा विभिन्न प्रकार के दूसरे साधनों से मनोरंजन करने में लोग तल्लीन रहते थे। उसने सोचा कि यहाँ पर आज कोई मेला लग रहा है। गैस लालटेनें जल रही थीं। छोटी-छोटी दुकानें भी लगी थीं। एक ओर युवक-युवतियाँ बच्चे, बूढ़े सब झोड़ा नृत्य कर रहे थे। एक आदमी बीच में हुड़का बजा रहा था। जो झोड़ा वो गा रहे थे वह अब प्रचलित नहीं था। उसे अब कोई गाना भी नहीं जानता था। उसने केवल इसके बारे में सुना था कि 2-3 सौ साल पहिले लोग इसे गाते थे। अब उसे कोई डर नहीं लग रहा था। अतः वह एक दम चट्टान से नीचे उतर कर उत्सव स्थल पर पहुँच गया। उसने सारा नजारा तो ऊपर चट्टान से ही देख दिया था परन्तु करीब में आकर एक बात की ओर उसका ध्यान विशेष तौर से गया। लोगों की वेशभूषा एक सी नहीं थी। जहाँ कुछ मर्द कोट पेंट पहिने थे, वहीं कुछ के बदन में मिरजाई थी। मिरजाई का चलन कई साल पहले बन्द हो चुका था। कुछ लोगों के बदन के ऊपरी हिस्से पर कोई कपड़ा न था। औरतों में कुछ तो एकदम आधुनिक वस्त्र पहिने थीं तो कुछ ने तो नौ पाट का घाघरा, जिसे पिछले पचास साल से किसी को पहनते हुये नहीं देखा गया, पहना हुआ था। कुछ लोगों ने रोहिला सैनिकों की कई सौ साल पहिले की वर्दी भी पहन रखी थी। दो तीन जवानों की भेषभूषा तो महाभारत कालीन थी और गौर से देखने पर उसने देखा कि दो चार लोगों के सिर नहीं हैं। किसी के दोनों पाँव नहीं हैं फिर भी वह बिना किसी सहारे के खड़े हैं। एक के पैरों के पंजे पीछे की ओर को थे। जो विभिन्न व्यंजनों की सुगन्ध प्रारम्भ में उसने पाई थी, करीब आने पर स्पष्ट हुआ कि इसमें से कुछ का प्रचलन हजारों साल पहले रहा होगा। उसे यह तो आभस हो गया कि यह सामान्य मानव नहीं हैं।

फिर उसे याद आया कि आज अमावस की रात है। उसने सुना था कि हर बारवें साल सोमवती अमावश पर विभिन्न अतृप्त आत्माएँ इस स्थान पर एकत्रित होकर उत्सव मनाती हैं। उनमें जाति, धर्म, कुल, गोत्र, प्रदेश व भाषा के आधार पर कोई विभाजन नहीं होता। वह जिस रूप में मरे थे, उसी रूप में दिखाई देते हैं। वह गाते-बजाते प्रेतात्माओं के बीच में आ गया। बच कर निकलना मुश्किल था। अतः दिल मजबूत करके उनके बीच चला गया। उस समय झोड़ा नृत्य चल रहा था। लोगों ने उसे आदरपूर्वक भोजन कराया। तरह-तरह के व्यंजन परोसे गये। जब वह पूरी तरह तृप्त हो गया तो उसे झोड़ा नृत्य में सम्मिलित कर लिया गया।

थोड़ी ही देर में किसी ने उनके गले में बड़ा घेंघा देखा। उन्होंने यह भी देखा कि इसकी वजह से उसे नाचने में कठिनाई हो रही है। उन्हें उस पर दया आ गई। मुखिया से लगने वाले एक व्यक्ति ने कहा 'इसके गले का घेंघा उतार कर एक जगह रख दो। इसके दूसरे रोग भी निकाल कर रख दो। जब यह जाने लगेगा तो इसका घेंघा इसके गले में ही लगा देंगे। इसी तरह रोग भी इसे ही वापस कर देंगे।' ऐसा ही किया गया। घेंघा व रोग के उतरते ही वह सुदर्शन जवान दिखने लगा। जब तीसरा प्रहर बीतने को हुआ, सभी लोग (आत्माएँ) अपने नाच गाने में अत्यधिक तल्लीन हो गय। इसी का फायदा उठाकर भोनू चुपचाप खिसक लिया और दौड़ता हुआ अपने गाँव पहुँचा। गाँव में सभी लोग सोये थे। तोनू भी घेंघे से पीड़ित था। वह ठीक से बोल भी नहीं पाता था। जब उसने भोनू को देखा तो वह आश्चर्यचकित रह गया। घेंघा गायब था। काया कंचन की तरह हो गयी थी। भोनू ने सारा किस्सा उसे सुनाया और जाकर सो गया। अब तोनू को भी लोभ चढ़ आया। वह बिना किसी को बताये तुरन्त कुचरौ चला गया। वहाँ पर नाच गाना अब भी चल रहा था क्योंकि अभी ब्रह्म मुहूर्त होने में कुछ देर थी। उन्होंने तोनू को पास बुलाया। उन्हें भोनू के भाग जाने का बहुत अधिक गुस्स था। उसके गले से उतारा गया घेंघा भौतिक पदार्थ था। उसका कुछ न कुछ किया जाना आवश्यक था क्योंकि भौतिक वस्तुएँ यों ही नहीं हो सकतीं। तोनू के आने से उनकी समस्या हल हो गयी। तोनू के गले के एक ओर तो घेंघा था ही, दूसरी ओर भोनू का घेंघा लगा दिया गया। तोनू अपेक्षाकृत स्वस्थ था। उसे कोई रोग नहीं था। अतः भोनू का रोग भी उसे लगा दिया गया। वह जब तक कुछ समझ पाता, ब्रह्म मुहूर्त का समय हो गया और सारी प्रेतात्माएँ अपने पूरे साजो सामान के साथ विलीन हो गईं। तोनू उस डरावने तालाब पर अकेला रह गया। रोशनी गायब हो गयी। वहाँ घुप्प अन्धेरा छा गया। उसे वहाँ रेत के अलावा कुछ दिखाई नहीं पड़ता था। सबेरा होने पर ही वह वहाँ से घर आया। उसके गले में एक घेंघे के बजाय दो घेंघे हो गये थे और वह रूग्ण भी हो गया था।

HIMALAYAN MUNSYARI STORE
Johar Nagar, Bhotia Padav, Haldwani
(एक छत के नीचे अपने हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग के उत्पादों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)
मो.- 8755116161. 84779321316 वीरेन्द्र सिंह मपवाल

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

'पिघलता हिमालय' स्थापना के 49वें वर्ष में प्रवेश की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

डॉ. मंगल सिंह मर्तोलिया

'खुशहाल हाउस' लक्ष्मी बिहार
मल्ली बमोरी, हल्द्वानी

प्रवीण सिंह जंगपांगी

मेघा टैण्ट हाउस, पुराना बाजार
थल

धाम सिंह मर्तोलिया

श्रीकृष्ण विहार, बलुटिया गार्डन
मल्ली बमोरी, हल्द्वानी

चन्दा सिंह

'अराध्यम', शान्ति विहार
बिठौरिया नं. 1, हल्द्वानी

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे

धरमघर/चौकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148 www.mountainheights.in

न तेरा न मेरा **Thats** मो. 9458920379
APNA GHAR
6396098804
चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी
स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

YOGA
MEDITATION
HOMELY FOOD
LIVE MUSIC
BIRTHDAY
WEDDING

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- 05961-222236
मो.- 8958525979, 9411134775

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

नरेन्द्र सिंह रावत

सम्पर्क 7351285555

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती
फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)